ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–02
दिनांक– मंगलवार, 06 जनवरी, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 15.4 एवं 7.7 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 96.0 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 76.0 प्रतिशत, हवा की औसत गति 9.8 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 1.0 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 1.6 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 12.0 एवं दोपहर में 17.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(07–11 जनवरी, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 07–11 जनवरी, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान अवधि के दौरान उत्तर बिहार के जिलों में हल्के बादल छाए रह सकते हैं। मौसम के शुष्क रहने की संभावना है। लगातार पछुआ हवाओं और सामान्य से कम तापमान के कारण कनकनी वाली ठंड बनी रह सकती है। 8 जनवरी के आसपास फिर से कोल्ड डे की स्थिति बन सकती है, हालांकि दिन के समय मौसम साफ रहने की उम्मीद है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 15 से 18 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 7 से 8 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 5–7 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चल सकती है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 90 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि शुष्क मौसम की स्थिति में गेहूं, सरसों, चना एवं अन्य रबी फसलों में आवश्यकता अनुसार हल्की सिंचाई दिन के समय करें। लगातार पछुआ हवाओं और सामान्य से कम तापमान के कारण ठंड बनी रहने की संभावना है, इसलिए सब्जियों एवं नई बोआई वाली फसलों को पाले से बचाने के लिए शाम के समय हल्की सिंचाई या अन्य सुरक्षात्मक उपाय अपनाएँ। ठंड के कारण कीटों की सक्रियता कम रहेगी, अतः अनावश्यक कीटनाशक छिड़काव से बचें।
- बिलम्ब से बोई गई गेहूँ की फसल जो 21 से 25 दिन की हो गई हो, उसमें सिंचाई कर 30 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें। गेहूँ की बुआई के 30 से 35 दिनों बाद खेत में उगे खरपतवारों के नियंत्रण हेतु सल्फोसल्फ्यूरॉन 33 ग्राम प्रति हेक्टेयर एवं मेटसल्फ्यूरॉन 20 ग्राम प्रति हेक्टेयर दवा को 500 लीटर पानी में घोलकर समान रूप से छिड़काव करें। समय से बोई गई गेहूँ की 45 से 50 दिन की फसल जो कल्ले निकलने की अवस्था में हो, उसमें दूसरी सिंचाई करें। नवम्बर माह में बोई गई मक्का की फसल जो 50 से 60 दिन की अवस्था में हो, उसमें 50 किलोग्राम नाइट्रोजन उर्वरक का प्रयोग कर मिट्टी चढ़ाएँ तथा सिंचाई करें।
- प्याज की रोपाई करते समय पौध को अधिक गहराई में न लगाएँ। पिछले माह रोपी गई प्याज में निराई–गुड़ाई एवं हल्की सिंचाई करें। लहसुन की फसल में आवश्यकतानुसार सिंचाई व निराई करें तथा झुलसा रोग से बचाव के लिए मैनकोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें, साथ ही घोल में 1 ग्राम प्रति लीटर की दर से स्टीकर अवश्य मिलाएँ। सब्जी फसलों में भी निराई–गुड़ाई एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
- टमाटर की फसल में फल छेदक कीट की निगरानी करें। इसके लार्वा कच्चे व पके फलों में छेद कर अंदर का गूदा खाते हैं, जिससे सड़न होकर उत्पादन में भारी कमी आती है। नियंत्रण हेतु 8द्10 फेरोमोन ट्रैप प्रति हेक्टेयर लगाएँ तथा ब्यूवेरिया बेसियाना जैविक कीटनाशी 1 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। कीट प्रकोप अधिक होने पर इन्डोक्साकार्ब 14.5 एससी दवा 1 मिलीलीटर प्रति 2.5 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
- मटर की फसल में चूर्णिल फफूँदी (पाउडरी मिल्डयु) रोग की निगरानी करें, जिसमें पत्तीयों, फलों एवं तनों पर सफेद चूर्ण दिखाई पड़ती है। इस रोग से वचाव के लिए फसल में कैराथेन दवा का 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी अथवा सल्फेक्स दवा का 3 ग्रम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- सब्जियों में निकाई–गुड़ाई करें। बैगन की फसल को तना एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें। फसल में कीट का प्रकोप दिखने पर रोकथाम हेतु सर्वप्रथम ग्रसित तना एवं फलो को इकट्ठा कर नष्ट कर दें तथा फसल में स्पिनोसेड 48 ई0सी0/1.0 मि0ली0 प्रति 4 ली0 पानी की दर से छिड़काव करे। कीटनाशक दवा के तैयार घोल में गोंद 1.0 मि0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से अवश्य मिलावें।
- पशुपालन में ध्यान रखें कि पशुओं को रात में खुले स्थान पर न रखें और बिछावन के लिए सूखी घास या राख का उपयोग करें। यदि पशुओं में दस्त या निचले जबड़े में सूजन जैसे लक्षण दिखाई दें तो ट्राइकलाबेन्डाजोल दवा दें। ठंड के कारण दुग्ध उत्पादन में आई कमी को दूर करने के लिए हरे व सूखे चारे के साथ नियमित रूप से दाना और कैल्शियम खिलाएँ।

आज का अधिकतम तापमानः 19.1 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 3.9 डग्री सेल्सियस, सामान्य से 4.8 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी